भदोही दर्पण (फार्फ)

भदोही के विकास का पहिया आगे बढ़ाते सांसद विरेंद्र सिंह 'मस्त'

मित्रों,

सासंद जी से हमारी कभी आमने-सामने मुलाक़ात नहीं हुयी है पर उनके प्रतिनिधि श्री शैलेन्दर दूबे जी, उनके सुपुत्र विपुलेन्द्र जी से कई बार मिलना भी हुआ है और फ़ोन पर बातचीत भी हुयी है। सासंद जी को अक्सर सोशल मीडिया, न्युज या विडियो मे देखने पर पता चल ही जाता है की कैसे व्यक्तित्व के हैं।

सासंद जी के बारे मे कुछ लिखने से पहले एक बात बता देना चाहते है की आज हमारे दिमाग़ मे भदोही विकास पर सांसद जी के बार मे कुछ लिखने का विचार क्यों आया। जैसे की आप जानते है की हमारी फार्फ टीम भदोही के लिये अपने सीमित स्तर से कुछ वर्षो से कुछ चुने हुये गाँवों मे कार्य कर रही है, जहाँ सबसे बडी समस्या राशन मे धाँधली या ग्राम समाज ज़मीन पर अवैध क़ब्ज़े को लेकर आ रही है। कुछ बातें हाल के दिनों मे जब हम सब ने भदोही, ज्ञानपुर आदि के विधायक के संदर्भ मे उठायी तो कई लोगों का फ़ोन या संदेश आने लगा की आप विधायकों के बारे मे कुछ भी नकारात्मक मत लीखिये क्योंकि ये लोंग कुछ भी ग़लत एक्शन आप के लिये ले सकते हैं। हम विचार कर रहे थे की सासंद जी के कार्यो पर कुछ बातों के लिये हमारा हमेशा थोड़ा अलग दृष्टिकोण रहा है पर हमें ऐसा कभी नही लगा या हमें किसी ने यह कभी नहीं कहा की सासंद जी भी आप को नुक़सान पहुँचा सकते है। हमें याद है की सासंद जी के सुपुत्र विपुल जी से हमने एक-दो बार खुल कर कहा भी था की सासंद जी कहाँ-कहाँ पर थोड़ा बदलाव कर सकते है पर हमें नही लगता की विपुल जी या किसी ने यह भी सोचा होगा की व्यक्तिगत हानि-लाभ भी हो सकती है ऐसा बोलने से।

कहते है की महाभारत मे अर्जुन की जीत इसलिये हुयी थी की क्योंकि उनके सारथी (भगवान कृष्ण) ही अपने आप मे अद्भुत थे। इसी तरह से आज राजनीति मे किसी भी बड़े नेता की छवी, सफलता सभी उनकी टीम पर निर्भर करती है। सासंद वीरेन्द्र जी अक्सर पूरे देश का भ्रमण करते रहने के कारण व्यस्त रहते हैं क्योंकि उनके ऊपर और भी ज़िम्मेदारी है पर भदोही मे उनकी टीम ही अपने आप मे प्रशंसनीय है। जिस टीम मे सासंद जी के प्रतिनिधी श्री शैलेन्द्र दूबे जी, सुपुत्र विपुल जी, दीपक पाठक जी, आदर्श पांडेय जी आदि (अन्य लोग से ज़्यादा अभी मिलना नही हो पाया है) जैसे लोग हो, वहाँ भदोही के विकास के पहिये को गति मिलना तय है ही।

अक्सर देखता रहता हुँ की सासंद जी ने आज कहाँ पर सड़क का निर्माण करवाया, कहाँ पर सभागार बनवायें, विघालय मे कक्ष निर्माण, योगशाला, जिला योजना की जानकारी ली, आदि आदि। आज यह सब बातें पेरिस (फ़्रांस) मे बैठकर इसलिये नही लिखने की कोशिश कर रहा हुँ की किसी को ख़ुश किया जाये अपितु हमें लगता है की समाज मे और राजनीति मे हो रहे पतन के दौर मे हम सब उन सभी लोगों या संस्थाओं को समर्थन करे जो अपनी अलग पहचान बनाते है। हमारा व्यक्तिगत अनुभव भी सासंद टीम के साथ काफ़ी सकारात्मक रहा है, जिसकी कुछ बातें आपके सामने ज़रूर रखता हुँ।

१. वर्ष २०१७ मे जब हम सबने जन-सहभागिता पर भदोही मे एक चौपाल करायी थी तो बहुत ही सहज तरीक़े से श्री शैलेन्द्र दूबे जी ने ना केवल कार्यक्रम के दौरान बल्कि बाद मे भी सोशल मीडिया पर हम सब का उत्साह वर्धन किया था।

२. विपुल जी के अनुसार सासंद नीधि से नियमों के तहत जो भी ग्रामीण विकास पर सहयोग होगा, उसके लिये हम सबको कई बार कह चूके है और एक बार तो उन्होंने तत्कालीन डीएम विशाख जी से भी बात करने के लिये सुझाव दिया था।

३. हम सब द्वारा गोद लिये एक गाँव भिखारीरामपुप मे कई सोलर लाईट का आवंटन, मेडिकल वैन आदि की सुविधा करवाया।

यह सभी बातें अपने आप बयान करती हैं की सासंद जी की टीम किस तरह से सकारात्मक कार्य करते हुये भदोही के विकास के पहिये को आगे बढ़ाने का काम कर रही हैं। कुछ सुझाव ज़रूर है हमारे पास सासंद जी द्वारा विकास के पहिये को गति देने के लिये जिसे हम समय आने पर उचित समय पर ज़रूर सार्वजनिक करेंगे।

हमें आश्चर्य होता है की सोशल मीडिया पर सबसे ज़्यादा नकारात्मक कमेन्ट व ख़िलाफ़त लोंग सासंद जी के पोस्ट पर करते है और कई लोंग कहते है की सासंद जी भदोही के बाहर के हैं। हक़ीक़त मे हमें व्यक्तिगत तौर पर ऐसा लगता है की यह सासंद जी और उनकी टीम की सरलता, सभ्यता की पहचान है की लोंग आज कुछ भी कहने के लिये आज़ाद है। क्या यह आज़ादी आपके पास भदोही, ज्ञानपुर या औराई के विधायक के लिये भी बोलने के लिये है?

एक ज़रूर विचार करियेगा इन बात पर। जय हिन्द, जय भारत।

क़लम से-
आनन्द पाण्डेय; Consultant at Multinational Bank
संयोजक - फार्फ (www.farf.in)
Senior Manager, TCS Paris (France)